



क.रा.बी.नि. आदर्श अस्पताल, फुलवारीशरीफ़, पटना
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार



नवम आयुर्वेदिक दिवस
के अवसर पर
आयोजित कार्यक्रम की कुछ
झलकियाँ ।



क.रा.बी.नि. आदर्श अस्पताल, फुलवारीशरीफ़, पटना श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार



आयुर्वेद, प्राचीन ज्ञान: एक स्वस्थ और सुखी जीवन की कुंजी
"Ayurveda, the ancient wisdom : A key to a healthy and happy life"



नौवां आयुर्वेद दिवस

29 अक्टूबर 2024

9th Ayurveda Day

29th October 2024

“वैश्विक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद नवाचार”
"Ayurveda Innovation for Global Health"

कार्यालय का पता:
कर्मचारी राज्य बीमा निगम, आदर्श अस्पताल
फुलवारी शरीफ, पटना-801505
फोन: 0612-2555780
ई-मेल-mh_patna@esic.nic.in

10 मिनट का आयुर्वेदिक व्यायाम

1. शिरः शिवायाम (Neck Exercises)
2. कर्णशिवायाम (Ear Exercises)
3. नेत्रशिवायाम (Eye Exercises)
4. शिरः शिवायाम (Neck Exercises)
5. कर्णशिवायाम (Ear Exercises)
6. नेत्रशिवायाम (Eye Exercises)

10 मिनट का आयुर्वेदिक व्यायाम

1. शिरः शिवायाम (Neck Exercises)
2. कर्णशिवायाम (Ear Exercises)
3. नेत्रशिवायाम (Eye Exercises)
4. शिरः शिवायाम (Neck Exercises)
5. कर्णशिवायाम (Ear Exercises)
6. नेत्रशिवायाम (Eye Exercises)

आयुर्वेदीय चिकित्सा के आठ अंग

1. अग्नि

2. वायु

3. जल

4. धरती

5. अकाश

6. अणु

7. अणु

8. अणु



क.रा.बी.नि. आदर्श अस्पताल, फुलवारीशरीफ़, पटना श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार





क.रा.बी.नि. आदर्श अस्पताल, फुलवारीशरीफ़, पटना श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार





क.रा.बी.नि. आदर्श अस्पताल, फुलवारीशरीफ़, पटना श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार





क.रा.बी.नि. आदर्श अस्पताल, फुलवारीशरीफ़, पटना श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार





क.रा.बी.नि. आदर्श अस्पताल, फुलवारीशरीफ़, पटना श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार



150 दिना 29 अक्टूबर को
9^{वां} आयुर्वेद दिवस 2024 मनाएँगे।
"वैश्विक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद मन्त्रालय"
श्रम पर मनाया जा रहा है।
आयुर्वेद दिवस का आयोजन हर साल धन्वन्तरि
जयंती (धन्वन्तरि) के 93^{वां} अन्वसर पर किया जाता है।
2016 में इसकी शुरुआत के बाद से आयुर्वेद दिवस
में वैश्विक महत्व प्राप्त किया।
आयुष्य मंत्रालय का उद्देश्य जनता के कल्याण के लिए
आयुर्वेद को विश्व स्तर पर एक मजबूत चिकित्सा प्रणाली
के रूप में बढ़ावा देना है।

"आज के समय में
आयुर्वेद का महत्व"
आयुर्वेद का उद्देश्य शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन
बनाना है। जो प्रत्येक व्यक्ति को बढ़ाता है।
यह शरीर के उन अंगों और अंगों की प्रणाली को भी संचालित
करता है जो शरीर और अंगों को एक अलग-अलग के द्वारा
प्रभावित करते हैं।
यह मानसिक स्वास्थ्य और चिकित्सा विषयों जैसे आनुवंशिकी-
आधार, स्त्री-रोग, शरीर विज्ञान और प्रत्येक विज्ञान पर बहुत
अधिक ध्यान केंद्रित करता है। इसमें वनस्पति विज्ञान, खेती
व्यक्तिगत स्वास्थ्य और स्वास्थ्य विज्ञान जैसे विषयों से
संबंध भी शामिल है।
आयुर्वेद के उपचार से मानसिक तंद्रकाली, चमकती लक्ष्मी
नुस्स बढ़ाने का प्रबंधन, तनाव प्रबंधन, नींद से लाभ होता
है।

"आयुर्वेद"
शब्द दो शब्दों से बना है।
आयुष्य - जीवन और वेद - ज्ञान
"जीवन और वेदों का ज्ञान"
शुरुआत में अनुसार → सर्वप्रथम प्रकृति से प्राप्त प्रमाणों
अंगों अभिव्यक्ति तथा उनके स्वरूप और अंगों के चिकित्सा के
आयुर्वेद को जाना गया। और धन्वन्तरि से शुरुआत की गई।
आयुर्वेद के मूल उद्देश्यों में स्वास्थ्य संहिता, चरक संहिता
सुश्रुत संहिता, प्रोक्तसंहिता तथा भावदान संहिता हैं।
आयुर्वेद का मूल सिद्धांत है त्रिकोण - वात, पित्त, कफ शरीर को
निर्मित करते हैं। इनके बीच में त्रिकोण विद्यमान है तो रोग
उत्पन्न होता है।
आयुर्वेद में पांच तत्व होता है - पृथ्वी, वायु, जल, अग्नि और
अकाश। इनसे हमारा शरीर का निर्माण होता है।